EDUCATION
AS SERVICE
वसंत कन्या महाविद्यालय
कमच्छा, वाराणसी
नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्राप्त
हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित प्रेमचंद जयंती समारोह
विषय: 'प्रेमचंद: एक पुनर्पाठ'
5 अगस्त 2022 पूर्वाह्न 12:00 बजे
मुख्य वक्ता
श्रीमती उमा भट्टाचार्या

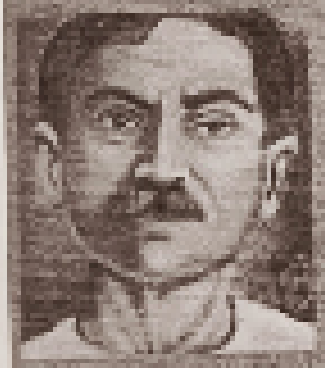

वसन्त कन्या महाविद्यालय

नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्राप्त

(संघटक महाविद्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी)

आमंत्रण

सम्मान्य/ सम्मान्या,

हमारे महाविद्यालय में आगामी 5 अगस्त 2022, शुक्रवार को प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में मध्याह्न 12:00 बजे से 'प्रेमचंद: एक पुनर्पाठ' विषयक संगोष्ठी का आयोजन है। इस आयोजन के मुख्य विषय विशेषज्ञ वक्ता होंगे प्रोफेसर श्रद्धानंद -पूर्व आचार्य, हिंदी विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

उक्त आयोजन में आप सभी विद्वतजनों की गरिमामयी उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

साभार, निवेदिका

ायोजक
दी विभाग
संत कन्या
ाविद्यालय
कमच्छा,
ाराणसी।

प्राचार्या
प्रो. रचना श्रीवास्तव
वसंत कन्या
महाविद्यालय
कमच्छा,
वाराणसी।

Vasant Kanya Mahavidyalaya
Kamachha, Varanasi
Internal Quality Assurance Cell (IQAC)
Vision of the College

VASANT KANYA MAHAVIDYALAYA
Kamachha, Varanasi
Admitted to the privileges of Banaras Hindu University
।। कुलगीत ।।
नमन माँ वसन्तादेवि जगतवन्दिते,
प्रज्जवलित ज्ञान–ज्योति सकल जनहिते।
जो शिक्षा वृक्षावलि तव सुरोपिता,
विकसित है वह माँ अब पुष्प–फलयुता।
शिक्षा का पूर्ण रूप जो सिखा दिया,
हृत्–पट पर वह हमने सब लिखा लिया।।1।।
नमन माँ वसन्तादेवि जगतवन्दिते,
तव शिक्षा–मन्दिर की सर्वशिक्षिता,
तव आशिष याचत है कार्य–सफलता।
गृह प्रसन्न, नगर रम्य, देश सघन हो,
Shoot by Vishal Prajapati
Aug 05, 2022, 12:07

वसंत कन्या महाविद्यालय
प्रेमचंद जयन्ती-संगोष्ठी
मुख्य वक्ता - प्रो. श्रद्धानन्द
Vasant K
Internal Quali

'प्रेमचंद एक पुनर्पाठ' विषयक संगोष्ठी का आयोजन

वाराणसी (रणभेरी)। वसंत कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष में "प्रेमचंद: एक पुनर्पाठ" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. श्रद्धानंद (पूर्व विभागाध्यक्ष, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ) ने प्रेमचंद पर विचार- विमर्श एक नए सिरे से करना क्यों आवश्यक है यह बताते हुए कहा कि कलम के धनी प्रेमचंद का साहित्य कल्पना यथार्थ और मनोविज्ञान का सुंदर सम्मिश्रण है जो युगीन- परिदृश्य को जीवंत कर देता है। जीवन के प्रत्येक पहलुओं का सजीव चित्रण हमें सीधे कथाकार से जोड़ने का कार्य करता है। यही कारण है कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी प्रासंगिक है। स्वागत वक्तव्य देते हुए महाविद्यालय की संरक्षिका विदुषी प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का

स्वागत करते हुए हिंदी साहित्य जगत को प्रेमचंद के माध्यम से मिलने वाले अनूठे योगदान को अत्यंत ही प्रासंगिक और यथार्थ जीवन की अमूल्य निधि बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभांगी श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सपना भूषण ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के हिंदी विभाग से डॉ. शशि कला, डॉ. प्रीति विश्वकर्मा, डॉ. ललिता तथा अन्य विभाग के शिक्षक- शिक्षिकाओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

वसन्त कन्या महाविद्यालय
कमच्छा, वाराणसी
तुलसीदास एवं नन्ददास जयन्ती एवं संगोष्ठी
आचार्या, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि.
दिनांक: 02.09.2022
समय: मध्याह्न 12:00 बजे
कार्यक्रम स्थल: सेमिनार हाल
विभागाध्यक्षा, हिन्दी विभाग
प्राचार्या, वसन्त कन्या महाविद्यालय
प्रबन्धक, वसन्त कन्या महाविद्यालय

वसंत कन्या महाविद्यालय
कमच्छा, वाराणसी नैक
द्वारा 'ए' श्रेणी प्राप्त
संघटक महाविद्यालय,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी।

आमंत्रण

सम्मान्य/ सम्मान्या,

हमारे महाविद्यालय में आगामी 2 सितंबर 2022 शुक्रवार को तुलसीदास व नंददास जयंती के उपलक्ष्य में मध्यान्ह 12:00 बजे से संगोष्ठी का आयोजन है।इस आयोजन की मुख्य विषय विशेषज्ञ वक्ता होंगी प्रो.चंद्रकला त्रिपाठी (पूर्व प्राचार्या,महिला महाविद्यालय का.हि.वि.वि.) एवं प्रो.श्रद्धा सिंह (हिंदी विभाग,का.हि.वि.वि.) उक्त आयोजन में आप सभी विद्वज्जनों की गरिमामयी उपस्थिति सादर निवेदित है।

साभार,

आयोजक
हिंदी विभाग

प्राचार्या
प्रो.रचना
श्रीवास्तव

रावण व्यक्ति नहीं प्रवृत्ति : प्रो. चंद्रकला

जागरण संवाददाता, वाराणसी : असत्य व्यक्ति नहीं प्रवृत्ति है। इसी प्रकार रावण व्यक्ति नहीं प्रवृत्ति है। ये बातें महिला महाविद्यालय, बीएचयू की पूर्व प्राचार्य प्रो. चंद्रकला त्रिपाठी ने कहीं। वह शुक्रवार को वसंत कन्या महाविद्यालय (कमच्छा) में आयोजित 'आज का समय और तुलसी के राम' व 'और कवि गढ़िया नंददास जड़िया' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए बोल रहीं थीं।

तुलसीदास व नंददास जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में हिंदी विभाग बीएचयू की प्रो. श्रद्धा सिंह ने कहा कि नंददास अष्टछाप के एक ऐसे कवि हैं जिनके भाव व कला पक्ष दोनों प्रौढ़, कलामय व संगीतमय है। प्रबंधक उमा भट्टाचार्या ने कहा तुलसीदास व उनका काव्य भारतीय जनमानस को एक अमूल्य धरोहर है। विषय स्थापना विभागाध्यक्ष प्रो. आशा यादव, स्वागत प्रो. रचना श्रीवास्तव ने किया।

वसंत कन्या महाविद्यालय कमच्छा में हिंदी विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

[illegible]

[illegible]

तुलसीदास एवं नंददास जयंती के उपलक्ष्य कार्यक्रम आयोजित

वाराणसी (एसएनबी)। वसंत कन्या महाविद्यालय कमच्छा के हिन्दी विभाग द्वारा तुलसीदास एवं नंददास जयंती के उपलक्ष्य में "जन्म का जनक और तुलसी के राम एवं "और सखी मंदिर नंददास औचित्य" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विषय विशेषज्ञ प्रो. [illegible] महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने कहा कि तुलसी जन्म [illegible] कहा समय है, यह [illegible] का प्रमाण रहता है।

ऐसे समय में तुलसीदास ने रामराज्य की कल्पना की। आगे उन्होंने कहा कि अवतार [illegible] की प्रकृति है। [illegible] विषय विशेषज्ञ प्रो. [illegible] सिंह, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने नंददास पर अपना अभिभाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि नंददास अष्टछाप के एक ऐसे कवि हैं जिनके भाव पक्ष और कलापक्ष दोनों [illegible] एवं [illegible] हैं। वे हिन्दी के [illegible] कवि रहे हैं। उनका पूरा ध्यान लालित्य पर रहा। इसलिये इनकी कविताओं में एक गूंज है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर [illegible] ने अपने आशीर्वचन से सभी को [illegible] किया। मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की [illegible], हिन्दी [illegible] प्रो. [illegible] ने कहा कि हिन्दी विभाग को देखने का दृष्टिकोण ही हमें [illegible] बना सकता है। इन्होंने [illegible] की व्याख्या करते हुए रामचरितमानस को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया। विषय का प्रवर्तन करते हुए [illegible] विभागाध्यक्ष प्रो. [illegible] ने मुख्य वक्ता के [illegible] के विषय कहा कि तुलसीदास और उनका [illegible] भारतीय जनमानस के लिये एक अमूल्य धरोहर है। [illegible] की विषम परिस्थितियों में तुलसी के राम [illegible] और [illegible] केवल अनुभव करने की प्रेरणा से अनुप्राणित है। नंददास [illegible] और [illegible] के [illegible] में [illegible] रखने वाले [illegible] हैं। काव्य के प्रति [illegible], काव्य-शास्त्र के ज्ञाता एवं [illegible] जैसी [illegible] कृतियाँ और [illegible] इन्हीं के रचयिता होने के कारण हैं। उन्हें सिर्फ और सखी मंदिर नंददास [illegible] जैसी रचनाएँ प्रसिद्ध हैं। [illegible] की छात्रा [illegible] ने नंददास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं [illegible] मिश्र ने तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सुंदर अभिभाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संगीत गायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. [illegible] के निर्देशन में [illegible] विभाग की छात्राओं द्वारा कुलगीत एवं तुलसी वंदना के सुमधुर प्रस्तुति से हुआ। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में वसंत कन्या महाविद्यालय के "हिन्दी साहित्य सभा" के तत्वावधान में [illegible] के उपन्यास "[illegible]" पर पुस्तक परिचर्चा आयोजित की गई। जिसका संचालन करते हुए डॉ. [illegible] ने हिन्दी साहित्य सभा का उद्देश्य और उसका परिचय दिया। जिसमें लेखिका ने अपनी पुस्तक पर बात करते हुए कहा कि अंत के [illegible] तक उपन्यास के [illegible] पाठक को [illegible] रखते हैं। यह एक ऐसी स्त्री की कथा है जिसमें उसका पति उसे छोड़ने के बाद 12 वर्ष बाद लौटकर आता है और फिर उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह उसे स्वीकार कर ले। उपन्यास के प्रत्येक पात्र अपनी एक [illegible] भूमिका अदा करते हैं, यह वर्तमान जीवन के यथार्थ को उजागर करने वाला एक अनूठा उपन्यास है।

वसंत कन्या महाविद्यालय में तुलसीदास एवं नंद दास जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

वसन्त कन्या महाविद्यालय
कमच्छा, वाराणसी

नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्राप्त संघटक महाविद्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

हिन्दी दिवस

हमारे महाविद्यालय में दिनांक 20.09.2022 दिन मंगलवार को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में मध्याह्न 12:00 बजे से संगोष्ठी का आयोजन है। इस आयोजन की मुख्य वक्ता होंगी प्रो. चन्दना झा (हिन्दी विभाग, वसन्त महिला महाविद्यालय, राजघाट, वाराणसी) उक्त आयोजन में आप सभी विद्वज्जनों की गरिमामयी उपस्थिति सादर निवेदित है।

साभार.

आयोजक
हिन्दी विभाग

प्राचार्या
प्रो. रचना श्रीवास्तव

वसन्त कन्या महाविद्यालय
कमच्छा, वाराणसी
नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्राप्त संघटक महाविद्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित
हिन्दी दिवस–संगोष्ठी
विषय: 'राष्ट्रवाद और हिन्दी'
मुख्य वक्ता: प्रो. वंदना झा
हिन्दी विभाग, वसंत महिला
महाविद्यालय, राजघाट, वाराणसी
दिनांक: 20.09.2022
समय: मध्याह्न 12:00 बजे
कार्यक्रम स्थल: सेमिनार हॉल
प्रो. आशा यादव
विभागाध्यक्ष
प्रो. रचना श्रीवास्तव
प्राचार्या
श्रीमती उमा भट्टाचार्या
प्रबन्धक

"राष्ट्रवाद एवं हिन्दी भाषा" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया

Hindi language discussion in VKM: वी के एम में राष्ट्रवाद एवं हिंदी भाषा पर विमर्श

By R K Sharma September 21, 2022

Hindi language discussion in VKM: मुख्य वक्ता प्रोफेसर बन्दना झा ने दिया ज्ञानवर्धक व्याख्यान

रिपोर्ट: डॉ राम शंकर सिंह

वाराणसी, 21 सितंबर: Hindi language discussion in VKM: वसंत कन्या महाविद्यालय, वाराणसी के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में "राष्ट्रवाद एवं हिन्दी भाषा" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो॰ वंदना झा, हिन्दी विभाग, वसंत महिला महाविद्यालय, राजघाट ने राष्ट्रवाद एवं हिन्दी भाषा पर ज्ञानवर्धक विचार प्रस्तुत किया।